

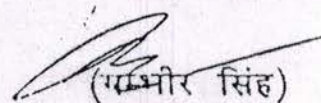
उत्तरांचल शासन
वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2
संख्या-186/1(2) व.ग्रा.वि./2003-10(1)/2000
देहरादून: दिनांक 07 फरवरी, 2003

अधिसूचना

उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-1 स 1904) की धारा-21 के साथ पठित उत्तरांचल ग्रामीण और पर्वतीय क्षेत्र में वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 1976 की धारा-23 की उपधारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके श्री राज्यपाल जन साधारण के हित में, उत्तरांचल शासन, वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2 व अधिसूचना संख्या-98(2)/1-व.ग्रा.वि./2002, दिनांक 29 जनवरी, 2002 के क्रम में निम्नलिखित प्रजातियों के वृक्ष, जो वन या वन भूमि में स्थित वृक्षों से भिन्न हों, के गिराये जाने पर दिनांक 31-12-2002 तक लगाये गये प्रतिबन्ध को, उत्तरांचल राज्य हेतु आगामी एक वर्ष के लिए अर्थात् 31-12-2003 तक बढ़ाये जाने की स्वीकृति, एतद्द्वारा प्रदान करते हैं। इस अवधि में निम्नांकित वृक्ष तब तक नहीं गिराये जायेंगे, जब तक कि वृक्ष सूख न गया हो या सूखा रहा हो या व्यक्ति या सम्पत्ति के लिए खतरा पैदा कर रहा हो या सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विकास कार्य के लिए इसका गिराया जाना आवश्यक हो और ऐसे वृक्ष को गिराने के लिए सक्षम प्राधिकारी से लिखित अनुमति प्राप्त कर ली गई हो:-

<u>क्रम सं०</u>	<u>सामान्य नाम</u>	<u>वनस्पतिशास्त्रानुसार नाम</u>
1.	अखरोट	जुगलेस रिजिया
2.	नीम	अजेडिरैकटा इण्डिका
3.	बांज, खिरसू, मोरु	क्यूरकस स्पेसीज
4.	साल	शोरिया रोबस्टा
5.	पीपल	फाइक्स रेलीजियोसा
6.	बरगद, बड़	फाइक्स बेंगालेन्सिस
7.	देवदार	सीडूस देवदार

आज्ञा से,


(ग.भीर सिंह)

अपर सचिव